एसआरयू वर्ल्ड

मासिक समाचार पत्रिका

वर्ष 1 अंक 12, रायपुर, माह दिसंबर 2023

"Universities have a unique opportunity to shape the future of our world, and we must do so with responsibility and vision."

-Dr. APJ Abdul Kalam

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी, रायपुर

श्री रावतपुरा सरकार इंस्टिट्यूट ऑफ़ नर्सिंग रायपुर के द्वारा मनाया गया विश्व एड्स दिवस

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर, श्री रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, रायपुर ने 01 दिसंबर 2023 को एड्स के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया। इस वर्ष के विश्व एड्स दिवस का विषय "समुदायों को नेतृत्व करने दें" था। कार्यक्रम का उद्घाटन एक रैली के साथ किया गया जिसमें छात्रों ने "आओ एक साथ हाथ मिलाएं, एड्स मुक्त विश्व के लिए प्रतिज्ञा लें" जैसे नारे लगाकर जागरूकता फैलाने की कोशिश की। श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के प्रो चांसलर श्री हर्ष गौतम ने छात्रों के साथ बातचीत करते हुए कहा कि लोगों को एचआईवी के बारे में जागरूक करने के लिए हर साल 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है, जो अभी भी एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दा बना हुआ है और दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित करता है। इस दिन का उद्देश्य लोगों को एचआईवी के खिलाफ लड़ाई में शामिल होने का अवसर देना है। उन्होंने इस तरह के सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए छात्रों और संकाय सदस्यों के प्रयासों की सराहना की। श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस.के. सिंह ने कहा कि यह दिन सभी के लिए एक अनुस्मारक है कि एचआईवी अभी भी मौजूद है और हमें इस बीमारी को खत्म करने के लिए मिलकर लड़ने की जरूरत है। यह प्रत्येक समुदाय के लिए एचआईवी के खिलाफ लड़ाई में एकजुट होने और एचआईवी से पीड़ित लोगों के प्रति समर्थन दिखाने का एक अवसर है। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. सौरभ शर्मा ने भी एचआईवी/एड्स के खतरों और स्वास्थ्य पर इसके नकारात्मक प्रभाव पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का समापन सभी छात्रों द्वारा एड्स मुक्त विश्व की शपथ के साथ हुआ।

एसआरयू और अर्का जैन विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर किए गए हस्ताक्षर

फार्मेसी के छात्रों को हर साल महान सुविधाओं के साथ पारस्परिक रूप से मिलेगा इंटर्नशिप प्रशिक्षण

02 दिसंबर (शनिवार) को श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय रायपुर और अर्का जैन विश्वविद्यालय झारखंड के बीच कक्षाओं, संकाय, कार्यक्रम के वर्चुअल आदान-प्रदान के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इसके साथ ही दोनों विश्वविद्यालयों द्वारा संकाय सदस्यों, शोध विद्वानों और छात्रों के लिए आयोजित स्पीकर कार्यशालाओं, सेमिनारों, सतत शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए एक-दूसरे के साथ समन्वय किया गया। समझौता ज्ञापन के तहत, दोनों विश्वविद्यालय के छात्रों को संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं के लिए शामिल करने के लिए सहमती हुई जिसमे चयनित एम.फार्मा/यू.जी. छात्रों को दोनों विश्वविद्यालयों के आभासी मार्गदर्शन में अपनी शोध परियोजनाओं को आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा। श्री

रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. सौरभ के. शर्मा और अर्का जैन विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार श्री अमित कुमार श्रीवास्तव ने अधिकृत गरिमा के तहत एमओयू पर हस्ताक्षर किए। श्री रावतपुरा सरकार कॉलेज ऑफ फार्मेसी के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) विजय कुमार सिंग और अर्का जैन विश्वविद्यालय झारखंड के डीन स्कूल ऑफ फार्मेसी प्रोफेसर (डॉ) ज्योतिर्मय साहू इस समझौते को एक्सीक्यूट करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति बनाये गए। श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के प्रति-कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम और कुलपति प्रोफेसर एस.के.सिंह ने फार्मेसी विभाग के सभी स्टाफ सदस्यों और छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए सकारात्मक समझौते की बधाई दी।

समाजकार्य विभाग द्वारा 'महिलाओं के खिलाफ हिंसा जागरूकता' व्याख्यान का किया गया आयोजन

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा दिनांक 04 दिसंबर 2023 को "महिलाओं के खिलाफ हिंसा जागरूकता" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में रायपुर की संस्था मॉक्सीहील फाउंडेशन (Moxieheal Foundation) जो पिछले कई वर्षों से रायपुर और अन्य क्षेत्रों में लगातार महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा, वृद्धों, बच्चों, मानसिक बीमार एवं शिक्षा के क्षेत्र में लगातार कार्यरत है शामिल हुई । इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता,सामाजिक कार्यकर्ता श्री रोहित कुमार ने अपने व्याख्यान में महिलाओं के साथ हो रही विभिन्न प्रकार की हिंसा के बारे में बताया और सभी छात्र-छात्राओं को इसके लिए सतर्क होने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि भारत ही नहीं बल्कि दुनिया में महिलाओं के प्रति हो रही हिंसा के आँकड़े बहुत चिंताजनक हैं। विश्व स्तर पर यदि देखा जाए तो 6 से 10 प्रतिशत महिलाओं को यौन हिंसा का शिकार रोज होना पड़ता है। उन्होंने बताया की भारत में विवाहित महिलाओं के साथ हिंसा के आँकड़े बहुत ही व्यापक हैं। जनसंख्या के हिसाब से आँकड़ों को देखा जाए यह आँकड़े 30 प्रतिशत से अधिक हैं। राज्यवार आँकड़ों को दर्शाते हुये बताया कि 2019-21 में कर्नाटक 44.4, बिहार में 40, मणिपुर में 39.6, तमिलनाडु 38.1, तेलंगाना 36.9 और उत्तर प्रदेश में 34.8 प्रतिशत महिलाएँ घरेलू हिंसा का शिकार हुई हैं। यह वो आँकडें हैं, जो किसी न किसी रूप में सामने आए हैं लेकिन वास्तविकता इन आँकड़ों से भयानक है। घरेलू हिंसा के साथ-साथ कार्य स्थल पर हिंसा, सड़कों पर छेड़छाड़ आदि के साथ आभासी दुनिया में ही रोज महिलाएँ किसी न रूप हिंसा का शिकार हो रही हैं। शारीरिक हिंसा के अलावा मानसिक हिंसा से भी उन्हें रोज जूझना पड़ता है। वहीं सुश्री मीनल करहाटकरे ने हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने और कानूनों के प्रति जानकारी रखने हेतु सुझाव और बचाव के तरीकों और अपने अनुभवों को छात्र-छात्राओं के साथ साझा किया। संस्था की कराटे ट्रेनर और सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री कोमल सोनी और उनके सहयोगी श्री नीरज सोनी ने लड़कियों को कराटे के तमाम तकनीकों को डेमो के माध्यम से सभी के सामने साझा किया। उन्होंने बताया कि कैसे अचानक हुए हमले, छेड़छाड़ से किस तरह की सूझबूझ से बचा जा सकता है। श्री नीरज सोनी ने अपनी (Moxieheal Foundation) संस्था में सभी लड़कियों को मुफ्त ट्रेनिंग देने का आह्वान भी किया। कार्यक्रम के अंत में आभार ज्ञापन में डॉ. नरेश गौतम, सहायक प्रोफेसर, समाजकार्य विभाग ने दिया। आभार वक्तव्य उन्होंने बताया कि महिलाओं और बच्चियों से साथ सबसे अधिक यौन शोषण कि घटनाएँ उनके सबसे नजदीकी रिश्तेदारों, पड़ोसियों द्वारा की जाती हैं, जिसकी शिकार सिर्फ महिलाएँ या बच्चियाँ ही नहीं होती बल्कि बहुत बार लड़के भी यौनिक हिंसा का शिकार होते हैं। जो कहीं न कहीं उनके पूरे जीवन को बर्बाद कर देते हैं। जिसका सीधा असर मनोमस्तिष्क पर होता

है। जो जीवन भर उसे कचोटता रहता है। शारीरक हिंसा से तो वह उबर आते हैं लेकिन मानसिक हिंसा का शिकार हुये जीवन भर उससे अपनी लड़ाई लड़ते हैं, जो बहुत ही घातक साबित होता है।हमारे समाज की ऐसी संरचना है जो बहुत बार आवाज उठाने में बाधा बनती है और हिंसा करने वालों का मनोबल बढ़ाती है। इससे बचने के लिए महिलाओं को अपनी चुप्पी तोडनी होगी और इसके खिलाफ एक जुट हो कर आवाज उठानी होगी। इस महत्वपूर्ण आयोजन में समाज कार्य की अध्यक्ष एवं सहायक प्रोफेसर, श्रीमती मनीषा बोस, कला संकाय के डीन डॉ. मनीष वर्मा, राजनीति विज्ञान के सहायक प्रोफेसर श्री योगमय प्रधान, डॉ. सुजाता घोष, सहायक प्रोफेसर डॉ. सुनीता सोनवानी, डॉ. संतोष कुमार (एसोसिएट प्रोफेसर, जनसंचार विभाग) श्री निरंजन कुमार, सहायक प्रोफेसर, श्रीमती स्नेहा बिस्वास(अंग्रेजी विभाग), सहायक प्रोफेसर साधना देवांगन (अर्थशास्त्र विभाग) एवं समस्त विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम किया गया आयोजित

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा विभाग द्वारा 5 दिसंबर 2023 को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर शासकीय माध्यमिक विद्यालय बोरियाकला रायपुर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की शुरुवात दिव्यांगता के संक्षिप्त परिचय के साथ हुआ जिसमें इसके कारण और हस्तक्षेप के साथ-साथ आरक्षण की जनकारी विशेष शिक्षा विभाग की सुश्री तृप्ति सारस्वत ,सुश्री विद्या भारतीऔर सुश्री पूर्णिमा साहू द्वारा दी गई।विश्वविद्यालय के प्रति- कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने बताया कि "हमें यह ध्यान रखना होगा कि कोई भी व्यक्ति पीछे न छूटे" बिना किसी भेदभाव के सभी को शामिल किया जाना चाहिए। आज के समय में दिव्यांगता के प्रति जागरूकता की बहुत अधिक आवश्यकता है क्योंकि जागरूकता के बिना, समाज उन लोगों को स्वीकार नहीं कर पाएगा जिनकी हमारे समाज में विशेष आवश्यकता है और हमारा विश्वविद्यालय सभी को शामिल करके सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमेशा आगे बढ़ता रहेगा। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एस.के. सिंह ने विशेष रूप से 2023 की थीम "दिव्यांग व्यक्तियों के लिए, उनके साथ और उनके द्वारा एसडीजी के लक्ष्यो को हासिल करने में एकजुट" पर ध्यान केंद्रित करते हुए कहा कि समाज के बीच जागरूकता के माध्यम से समाज के परिप्रेक्ष्य को बदलकर हमें सभी के लिए सतत विकास के लक्ष्यो को प्राप्त करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण के लिए समावेशी एवं प्रभावी शिक्षण वातावरण तैयार करना चाहिए।विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सौरभ के शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समावेश और सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, पूर्ण और उत्पादक रोजगार एसडीजी के लिए दिव्यांगता समावेशन पर पुनर्विचार का तरीका हो सकता है। विशेष शिक्षा विभाग की सहायक अध्यापिका , सुश्री तृप्ति सारस्वत ने बताया कि दिव्यांगता को एसडीजी के कई हिस्सों में संदर्भित किया गया है, विशेष रूप से शिक्षा, विकास, रोजगार आदि को शामिल किया गया है । साथ ही युवा पीढ़ी को समझाया गया है कि दिव्यांग व्यक्तियों के लिए प्रयास करने से इन सभी लक्ष्यों में सफलता पूर्वक पाना कैसे संभव है। अंत में, विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा विभाग के सभी शिक्षकों के साथ जागरूकता कार्यक्रम की सफलता के पश्चात ,समन्वय करने के लिए विशेष शिक्षा विभाग द्वारा स्कूल के प्राचार्य को धन्यवाद दिया गया।

एसआरयू द्वारा डेटा पत्रकारिता, सत्यापन, डिजिटल जांच और ऑनलाइन सत्यापन पर कार्यशाला आयोजित

कार्यशाला में नेटवर्किंग, जिम्मेदार सूचना साझाकरण को दिया गया बढ़ावा..श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने डेटा पत्रकारिता, सत्यापन, डिजिटल जांच और ऑनलाइन सत्यापन पर कार्यशाला का आयोजन किया, जो मूल रूप से गलत सूचना और फर्जी खबरों पर केंद्रित थी । कार्यशाला में जीएनआई इंडिया ट्रेनिंग नेटवर्क के ट्रेनर श्री विचित्रानंद पांडा ने छात्रों के साथ महत्वपूर्ण पहलुओं को साझा किया।अपने विचार साझा करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एस.के.सिंह ने कहा कि गलत सूचना और फर्जी खबरें सामाजिक नींव को कमजोर करती हैं, अविश्वास को बढ़ावा देती हैं और सार्वजनिक चर्चा को विकृत करती हैं। वे ध्रुवीकरण को बढ़ावा देती हैं, संस्थानों में विश्वसनीयता कम करती हैं और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को खतरे में डालती हैं। गलत जानकारी सार्वजनिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती है, घबराहट पैदा कर सकती है और निर्णय लेने में समझौता कर सकती है।.विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने कहा कि फर्जी खबरों का हानिकारक प्रभाव तत्काल कार्रवाई की मांग करता है। यह विश्वास को ख़त्म करता है, तथ्यों को विकृत करता है और समाज को नुकसान पहुँचाता है। इसके प्रसार को रोकने, सूचना की अखंडता की रक्षा करने और एक स्वस्थ, सुविज्ञ सार्वजनिक चर्चा को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है।कार्यशाला के वक्ता श्री विचित्रानंद पांडा ने छात्रों के साथ बातचीत की और उन्हें डेटा पत्रकारिता, सत्यापन, डिजिटल जांच और ऑनलाइन सत्यापन के बारे में विस्तार से बताया, जो अत्यधिक प्रभावशाली साबित हुआ। छात्रों ने डेटा विश्लेषण, तथ्य-जांच और नैतिक डिजिटल जांच में व्यावहारिक पहलुओं और महत्वपूर्ण तथ्यों को प्राप्त किया। कार्यशाला में नेटवर्किंग, जिम्मेदार सूचना साझाकरण को बढ़ावा दिया गया। प्रतिभागी बढ़ी हुई मीडिया साक्षरता से सशक्त हुए और अधिक सूचित डिजिटल परिदृश्य में योगदान देने के लिए तैयार हैं।सहायक प्रोफेसर डॉ. संतोष कुमार ने भी बताया कि दुष्प्रचार समाज के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है, विश्वास को खत्म करता है और कलह का बीजारोपण करता है। भ्रामक व्याख्यान जनता की राय में हेरफेर कर सकते हैं, चुनावों को प्रभावित कर सकते हैं और हिंसा भड़का सकते हैं।झूठी सूचना का प्रसार लोकतंत्र को कमजोर करता है, सामाजिक एकता को बाधित करता है, और सूचित निर्णय लेने में बाधा डालता है, जिससे समाज पर इसके प्रभाव का प्रतिकार करने के लिए सतर्क प्रयासों की आवश्यकता होती है।श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के प्रति-कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला की सराहना की।

महिलाओं के लिए कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के रोकथाम पर अतिथि व्याख्यान का किया गया आयोजन

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में 09 दिसंबर 2023 को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय के सयुंक्त तत्वाधान में यू.जी.सी. के निर्देशन में "महिलाओं के लिए कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न पर रोकथाम" उद्देश्य के साथ विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया । विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने अपने व्यक्तव्य में कहा कि हमारी संस्कृति पोषण में विश्वास रखती है न की शोषण में इसलिए हमारे संविधन में दिए गए सुरक्षा एवं सर्रक्षण के लिए क्या आवश्यक इसका ज्ञान होना जरुरी है ।हमारे आचरण में द्वेष की भावना आने से या मानसिक इस्थिति बदलने से ,आपस में प्रेम या संबंधो की कमी आने से शोषण होता है। उन्होंने कहा की साथ-साथ चलना, कार्य करना और विचारों में सकारत्मक भाव हो तो हमेसा पोषण ही होगा न की शोषण ।अपने विचारों को साझा करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एस.के. सिंह ने कहा की छात्रों को एक दूसरे के प्रति संवेदन शील होना और यह सुनिश्चित करना की किसी का भी शोषण न हो इस बात पर दयां केन्द्रित किया । जहाँ नारी को पूजा जाता है वहाँ भगवान बसते है यह हमारी गौरवशाली संस्कृति रही है ऐसे ही विचरो को ध्यान में रखकर ही यह आयोजन किया गया है नारी के प्रति सम्मान तथा उन्हें कार्यस्थल में शोषण से सम्बंधित जगुरक रखना ही इस अतिथि व्याख्यान का महत्वपूर्ण उद्येश है । व्याख्यान के मुख्य वक्ता, सहायक प्रोफेसर श्री अभिषेक मिश्रा ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम (P o S H) पर संक्षिप्त महत्वपूर्ण तथ्य और पहलू का वर्णन किया जिसमें उन्होंने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में महिलाओं की कार्य भागीदारी और यौन उत्पीड़न के बारे में विस्तार से बताया। जिसमें शारीरिक स्पर्श, बाधा उत्पन्न करना और कोई भी अवांछित कृत्य शामिल है। इसके साथ-साथ श्री अभिषेक ने व्याख्यान में उपस्थित विद्यार्थियों और कामकाजी महिलाओं को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) 1860 और औद्योगिक रोजगार अधिनियम 1946 में यौन उत्पीड़न अधिनियमों के बारे में भी समझाया । उन्होंने आंतरिक शिकायत समिति के बारे में भी चर्चा की, जिसमें उन्होंने बताया कि प्रत्येक नियोक्ता को यौन उत्पीड़न की शिकायतों की जांच करने और अपनी कंपनी के निदेशक मंडल को मामलों में सिफारिश करने के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार आईसीसी का गठन करने की आवश्यकता है।

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय भाषा उत्सव का किया गया आयोजन

दिनांक 11 दिसंबर 2023 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रस्तावित 75 दिवस भारतीय भाषा उत्सव के संदर्भ में श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय द्वारा सुप्रसिद्ध कवी एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सुब्रमण्यम् भारती के जन्म जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के कला एवं सामाजिक विज्ञान संकाय द्वारा किया गया जिसके मुख्य अतिथि श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा, सम्मानित अतिथि डॉ. मनीष पाण्डेय और डॉ. अवधेश्वरी भगत ने अपने विचार व्यक्त किए। विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा उत्सव में हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया जिसके तहत सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने अपनी मूल भाषा में हस्ताक्षर किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने कहा की किसी भी राष्ट्र का विकास अच्छे अभिव्यक्ति पर आधारित है जो भाषा के माध्यम से ही संभव है। संचार के लिए विशेष रूप से दोतरफा संचार के लिए भाषा महत्वपूर्ण है। हमारा भारत देश जो 100 साल बाद वर्ष 2047 को विकशित देश के रूप में संपूर्ण विश्व के समक्ष होगा तब हमरे देश में बोले जाने वाली भाषा श्रेष्ठ भारत एवं अखंड भारत का प्रतिक होंगी । माननीय शर्मा जी ने बताया की AICTE द्वारा भी इंजीनियरिंग, मेडिकल साइंस जैसे अन्य प्रायोगिक स्ट्रीम में हिंदी एवं अन्य भाषओं में शिक्षा का प्रावधान कर दिया गया है। विश्वविद्यालय के सभी विभागों के विद्यार्थियों ने विभिन्न भारतीय भाषाओं जैसे मलयाली , उडिया, तमिल हिन्दी आदि में नृत्य, गीत एवं भाषण जैसे सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय के कला विभाग की छात्रा दिव्या कुमारी ने किया और कार्यक्रम का समन्वयक हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ सविता वर्मा एवं समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ अंजली द्वारा किया गया ।विश्वविद्यालय के प्रति- कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने सभी को भाषा के महत्व को समझने और उसमे अमल करना का सुझाव दिया और विश्व विद्याल य के सभी छात्रों और कर्मचारियों को सुप्रसिद्ध कवी एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सुब्रमण्यम् भारती के जन्म जयंती के उपलक्ष्य में शुभकामनाये दी ।

श्री रावतपुरा सरकार विवि के विद्यार्थियों ने भी सुना पीएम का उद्बोधन

विकसित भारत 2047 के लिए 'वॉइस ऑफ यूथ' कार्यक्रम के तहत सोमवार को श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन से लाभान्वित हुए। प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सुनने बड़ी संख्या में विवि के विद्यार्थी और फैकल्टी एकत्रित हुए। अपने उद्बोधन के दौरान प्रधानमंत्री जी ने विद्यार्थियों और शैक्षणिक संस्थानों से विकसित भारत बनाने के लक्ष्य से जुड़ने का आह्वान किया। श्री मोदी ने कहा कि जैसे आजादी के आंदोलन में उस समय के सारे प्रमुख विश्वविद्यालय और सामाजिक वर्ग अपनी सक्रिय भूमिका निभाकर देश को स्वतंत्र कराया। उस समय समाज में आजादी, स्वदेशी, सामाजिक सुधार का चेतना जागृत करने का काम उस समय के विवि ने भी किया। आज उसी तरह के योगदान देने की जरूरत भारत को विकसित बनाने के लिए भी है। आज भारतीय इतिहास का अमृतकाल है। इस अमृतकाल का एक-एक पल का लाभ लेना चाहिए। हम सभी भारतीय का ध्येय विकसित भारत निर्माण होना चाहिए। हमें हर वक्त यह सोचना चाहिए कि ऐसा क्या करें जो भारत को विकसित बना सके। हम सब को विकसित भारत के निर्माण की धारा में जुड़ना चाहिए। अच्छे आइडिया को समाज और सरकार से साझा करना चाहिए। उद्बोधन सुनने के बाद पत्रकारिता के विद्यार्थी आयुष कुमार जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का कथन 'व्यक्ति निर्माण ही राष्ट्र निर्माण है और व्यक्ति निर्माण में शैक्षणिक संस्थानों की बड़ी भूमिका होती है विवि के युवा समाज के निर्माण में बड़ी भूमिका निभाते हैं, महत्वपूर्ण लगा। हितेष रॉय ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का उद्बोधन बहुत प्रेरणादायी है। प्रधानमंत्री का कहना कि बिजली की बर्बादी रोककर, पर्यावरण संरक्षण में योगदान देकर भी हम विकसित भारत के ध्येय को पूरा करने में योगदान दे सकते हैं। अपने राष्ट्रीय कर्तव्यों को पूरा करने में आगे आना चाहिए।

एसआरयू ने कौशल अकादमी बाय टेस्टबुक के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय रायपुर ने कौशल अकादमी परिसर कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय के छात्रों को सेवाएं प्रदान करने के लिए स्किल अकादमी नवी मुंबई के साथ 12 दिसंबर (मंगलवार) को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। समझौता ज्ञापन के अनुसार, अकादमी एसआरयू की मदद से विश्वविद्यालय के सभी इच्छुक छात्रों को एक वर्ष की अवधि के लिए नौकरी और इंटर्नशिप की पूरी तैयारी के लिए कौशल अकादमी कार कार्यक्रम में पंजीकरण कर लाइव एप्टीट्यूड टेस्ट और विशिष्ट मॉक टेस्ट के लिए भी तैयार करेगी । श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. सौरभ के. शर्मा और स्किल एकेडमी के निदेशक आशुतोष कुमार ने अधिकृत गरिमा के तहत एमओयू पर हस्ताक्षर किए। समझौते को जारी रखने के लिए श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के उप रजिस्ट्रार श्री दीप शरमा और टेस्टबुक नवी मुंबई द्वारा स्किल अकादमी की मिस वृषाली प्रकाश पाटिल जिम्मेदारी ली।श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के प्रति-कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम और कुलपति प्रोफेसर एस.के.सिंह ने एसआरयू के छात्रों के लाभ के लिए किए गए एक और सकारात्मक समझौते के लिए बधाई दी।

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के विद्यार्थी हुए अचंभित 72 घंटे के अन्दर परीक्षा परिणाम घोषित कुल 40 कोर्सेज में शामिल 1120 विद्यार्थियों ने एसआरयू एप में देखा रिजल्ट

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को उत्तम गुणवत्ता की शिक्षा देने तथा नए इस्थापित करना के लिए निरन्तर प्रयाशसील है। इसी कड़ी में शैक्षणिक सत्र 2023-24 की सेमेस्टर परीक्षा 23 नवंबर से 11 दिसंबर तक हुई जिसमे पाँचवे सेमेस्टर, सातवे सेमेस्टर और एल.एल.बी के नौवे सेमेस्टर के 1120 विद्यार्थि परीक्षा में शामिल हुए। जिसका परीक्षा परिणाम 72 घंटे के अन्दर विद्यार्थियों के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर उनका रिजल्ट प्रकाशित किया गया।परीक्षा की पूर्ण प्रक्रिया उन्नत आईटी आधारित डिजिटल माध्यम से आयोजित की गई जिसमे परीक्षा फॉर्म, प्रवेश पत्र, सिटींग प्लान, विद्यार्थियों की उपस्थिति, मैपिंग ,वेरिफिकेशन और मूल्याकन को क्यू आर कोड के माध्यम से पारदर्शिता के साथ किया गया।सेमेस्टर परीक्षा 11 दिसंबर को समाप्त होने के तत्पश्चात 72 घंटे के अन्दर ही विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने एसआरयू एप में अपना परीक्षा परिणाम देखा और वे सभी बहुत उत्साहित थे की, इतने कम समय में श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय ने सेमेस्टर रिजल्ट घोषित कर दिया।

कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्माविकसित भारत के निर्माण में युवाओं के लिए मध्य भारत में शिक्षा, संस्कार और रोजगार के मार्ग को प्रसस्त कर रही श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी। शिक्षा के क्षेत्र में सिस्टम को Fare & ट्रांसपेरेंट बनाने के लिए श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी लगातार काम कर रही है। अभी हाल में नवम्बर माह में आयोजित सेमस्टर परीक्षा को भी तकनिकी माध्यम में आयोजित किया गया और एग्जाम ख़त्म होने के 72 घंटे के अन्दर परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है। सभी अचम्भित है और खुश भी है कि इतना तेजी और सटीक परिणाम आया है। ये विश्वविद्यालय के प्रयासों की उपलब्धि है।

आर. आर .एल बिराली (परीक्षा संचालक)विद्यार्थी होंगे लाभान्वित इतने कम समय में परिणाम घोषित होने पर कर

सकते है भविष्य से समबन्धित पाठ्यक्रमो करने की तैयारी। शाश्किया परीक्षा में अधिक समय मिलने का होगा फायदा।

रौनक सिंह बी.फारमा 5 सेम इतनी जल्दी अपने 5 वे सेमेस्टर का रिजल्ट घोषित होने पर मैं बहुत खुश हू। विश्वविद्यालय द्वारा मैंने एसआरयू एप में अपना रिजल्ट देखा। एसआरयू का स्टूडेंट एप बहुत अच्छा और सरल है। श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय को मैं बहुत बहुत धन्यवाद देता हू।

आँचल तिवारी बी.फारमा 5 सेम कल मुझे एसआरयू के द्वारा भेजे गए टेक्स्ट में लिंक भेजा गया जिसके जरिये मैंने एसआरयू एप में अपना रिजल्ट देखा। मैं बहुत बहुत हैरान और साथ में खुश भी हू इतनी रिजल्ट आने पर। श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय द्वारा इस सुविधिया से हमे बहुत लाभ मिलेगा और बहुत फायदा होगा स्कालरशिप और सरकारी परीक्षा में शामिल होने पर।

72 घंटे

40 कोर्सेस

1120 विद्यार्थी

माननीय प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण विकसित भारत @2047 को एस. आर. यू द्वारा मनाया गया. विषय विकसित भारत @2047 के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम किए गए आयोजित

'विकसित भारत @2047' भारत सरकार की एक व्यापक दृष्टि योजना है, जिसका लक्ष्य अपनी स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र में बदलना है। माननीय प्रधानमंत्री का पंच प्राण संकल्प, विकसित भारत उनमें से एक है और अत्यंत महत्वपूर्ण है।विकसित भारत @2047 के अंतर्गत ही श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में टास्क फोर्स का निर्माण किया गया है , जिसमें संयोजक, नोडल के साथ-साथ सभी विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों की सहभागिता सुनिश्चित की गई है ।सभी विद्यार्थियों को जोड़ने के लिए माय गवर्मेंट एप (my gov app), पोस्टर, रंगोली और नुकर्नाटक के माध्यम से विश्वविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के समीप गांवों के नागरिकों को भी जागरूक किया ।प्रत्येक सैद्धांतिक कक्षा के पूर्व 10 मिनट विद्यार्थियों को विकसित भारत @2047 के संबंध में जानकारी देकर प्रोत्साहित किया जा रहा है। अभी तक विश्वविद्यालय के 522 विद्यार्थियों ने अपना फीडबैक my gov app के माध्यम से अपलोड किया। 23 दिसंबर तक 100% विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया है ।विश्वविद्यालय में विकसित भारत के तहत 3 डी सेल्फी पॉइंट भी बनाये गए जिसमे विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने शिक्षकों और अपने मित्रो के साथ सेल्फी ली ।इस अभियान के अंतर्गत सभी सेल्फी पॉइंट में इसके उद्देश्यों को दर्शाया गया है। इसके साथ- साथ कार्यशाला का भी आयोजन किया गया जिसमे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एस.के.सिंह ने विकसित भारत @2047 की परिकल्पना को युवाओ तक पहुचने के लिए माय गवर्मेंट एप (my gov app) की विश्त्री जानकारी प्रदान की और विद्यार्थियों को इस एप के द्वारा सम्बंधित सभी उद्देश्यो और फीड बैक देनो को प्रोत्साहित किया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा और डी.एस.डब्लू डॉ. सत्यज तिवारी ने भी अपने सुझाव दिए।श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के उन्नत भारत अभियान (यू.बी.ए) और राष्ट्रीय सेवा संघ (एन.एस.एस) के विद्यार्थियों द्वारा नुकर्नाटक के माध्यम से विकसित भारत यात्रा के तहत जागरूकता अभियान चलाया गया जिसमे छात्रों ने एनसीसी के कैडेट्स के द्वारा स्लोगन के नारे लगा कर विकसित भारत @ 2047 के महत्त्व को समझाया। UBA के कॉर्डिनेटर डॉ.अनुभूति कोशले एवं एनएसएस की कॉर्डिनेटर डॉ. अंजली यादव, तरुण सोनवानी, गोकुल देवांगन, डॉ. सिंदूरा भार्गव, स्तुति बालाधारे, संतोषी साहू उपस्थित थे।श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के प्रति-कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने विकसित भारत @2047 के विषय में सभी विद्यार्थियों और शिक्षक के साथ निरन्तर आयोजन कर इस अभियान की परिकल्पना को सदेव स्मारण रखने का उपदेश दिया ।

एसआरयू ने डॉ. माइक्रो लैब एंड रिसर्च सेंटर रायपुर के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए. एमओयू के तहत छात्रों को इंटर्नशिप और प्लेसमेंट का मौका

22 दिसंबर (शुक्रवार) को श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय रायपुर और डॉ. माइक्रो लैब एंड रिसर्च सेंटर रायपुर के बीच छात्रों को संबद्ध और चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में तकनीकी विशेषज्ञों के रूप में उजागर करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) हुआ, जिसमें मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी (एमएलटी), माइक्रोबायोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री के छात्रों को इंटर्न के रूप में प्रशिक्षण दिया जायेगा। एमओयू का विशिष्ट उद्देश्य, विश्वविद्यालय के छात्रों को अल्पकालिक नैदानिक इंटर्नशिप, चिकित्सा शिविरों में भागीदारी और डॉ माइक्रो लैब एंड रिसर्च सेंटर की अच्छी तरह से स्थापित प्रयोगशाला द्वारा पैथोलॉजी के क्षेत्र में प्लेसमेंट के लिए पेशेवर प्रशिक्षित विशेषज्ञों के रूप में तैयार करना है।श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. सौरभ के. शर्मा और डॉ. माइक्रो लैब एंड रिसर्च सेंटर, रायपुर (सीजी) के निदेशक डॉ. रूपम निगम ने अधिकृत गरिमा के तहत समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और समझौते को विज्ञान विभाग के संकाय सदस्य डॉ. अनुभूति कोशले और सुश्री मीशा मार्टिन ने गवाह के रूप में निष्पादित किया।श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के प्रति-कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम और कुलपति प्रोफेसर एस.के.सिंह एसआरयू के छात्रों के लाभ के लिए सकारात्मक समझौते की सराहना की ।

एस आर यू द्वारा राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया गया भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के योगदान को किया याद

2 दिसंबर, 2023 को श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया गया। यह दिन महान भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया गया । उत्सव का मुख्य उद्देश्य विचारोत्तेजक भाषणों के माध्यम से विषय के प्रति रुचि और स्वभाव को जागृत करना था, जिससे साबित हो सके कि गणित सीखना मस्तिष्क के लिए अच्छा है और सभी के लिए उपयोगी है।गणित विभाग के प्रमुख डॉ. सत्यज तिवारी ने रामानुजन और प्राचीन गणित पर एक प्रस्तुति दी, उन्होंने मुख्य रूप से गणित में दस गैर-शून्य भारतीय योगदान पर ध्यान केंद्रित किया और डीन अकादमिक डॉ. आर.एल. बिराली ने श्रीनिवास रामानुजन की जीवनी और गणित के उनके काम पर प्रकाश डाला।विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने प्राचीन गणित पर अद्भुत जानकारी दी और अनुसंधान के लिए हमारे मस्तिष्क और विचारों की ज्ञान क्षमता और स्थिति के बारे में साझा किया।प्रो-चांसलर श्री हर्ष गौतम और कुलपति प्रो. एस.के. सिंह ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई और प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया।इस अवसर पर गणित विभाग ने ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें डॉ. रोहित कुमार वर्मा, प्रोफेसर और गणित विभाग के प्रमुख, राजकीय महाविद्यालय पाटन ने निश्चित और सामान्य निश्चित-बिंदु प्रमे पर एक विशेषज्ञ वार्ता प्रस्तुत की। उन्होंने विभिन्न स्थानों में निश्चित बिंदु और सामान्य निश्चित बिंदु का संक्षेप में परिचय दिया।अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रो. श्री टिकेश्वर लाल साहू ने दिया तथा कार्यक्रम का संचालन प्रो. श्री लोकेश कुमार देवांगन द्वारा किया गया।

SHRI RAWATPURA SARKAR UNIVERSITY, RAIPUR (C.G.)

एक कोर्स के साथ साथ दूसरी डिग्री लेना भी अब संभव

We are offering

DUAL DEGREE

- B.Com. + B.B.A.
- M.Com. + M.B.A.
- B.A. + B.B.A.
- M.A. + M.B.A.
- M.Tech. + M.B.A.
- M.Sc. + M.B.A.
- M.Sc. + M.C.A.
- M.A. + L.L.B.
- M.Sc. + L.L.B.
- M.B.A. + L.L.B.
- B.A. / B.Sc. + B.A. / B.Sc.
  (Fashion Design / Interior Design)

इनके अतिरिक्त अन्य विकल्प भी उपलब्ध है

** Subjected to fulfillment of eligibility criteria

Scan For Admission

7222910411

NH-30, Post Mana, New Dhamtari Road, Raipur (C.G.) India

www.sruraipur.ac.in / sruraipurindia /shrirawatpurasarkar

सम्पादकीय समिति

प्रेरणाश्रोत : परम पूज्य श्री रविशंकर जी महाराज

श्री हर्ष गौतम
प्रति - कुलाधिपति
प्रधान संपादक
राजेश तिवारी

प्रो. एस. के. सिंह
कुलपति
संपादक
शुभम नामदेव

डॉ. सौरभ कुमार शर्मा
कुलसचिव
ग्राफिक्स डिज़ाइन
दिनेश कुमार सिन्हा